घोषणा पत्र

मैं अखिल कुमार गौतम एतद् द्वारा प्रतिज्ञापूर्वक घोषणा करता हूँ कि एम. फिल. कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान, सत्र: 2012-2013 की उपाधि के पाठ्यक्रम संबंधी आवश्यकता की आंशिक परिपूर्ति हेतु **"हिंदी क्रियाविशेषण घटनीयता विश्लेषक" (Hindi Adverb Occurrence Analyzer)** विषय पर प्रस्तुत लघु शोध-प्रबंध मेरा मौलिक कार्य है तथा मेरे संज्ञान में इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है।

(अखिल कुमार गौतम)

कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान विभाग, भाषा विद्यापीठ

म.गां.अं.हि.वि.वि., वर्धा

स्थान : वर्धा

दिनांक :

विषय-सूची

पृष्ठ संख्या

भूमिका **8-10**

अध्याय 1 :क्रियाविशेषण: परिभाषा एवं स्वरूप **12-19**

1.1 क्रियाविशेषण के प्रकार

1.1.1 कालवाचक क्रियाविशेषण

1.1.2 स्थानवाचक क्रियाविशेषण

1.1.3 परिणामवाचक क्रियाविशेषण

1.1.4 रीतिवाचक क्रियाविशेषण

2. बनावट के आधार पर क्रियाविशेषण

3. वर्गीकरण के आधार पर क्रियाविशेषण

अध्याय 2. हिंदी वाक्य में क्रियाविशेषण का प्रयोग **22-41**

2.1 वाक्य परिवर्तन में क्रियाविशेषण का प्रयोग

2.2 विशेषण और क्रियाविशेषण में अंतर

2.3 क्रियाविशेषण घटनीयता और पहचान

अध्याय 3. प्रोग्रामिंग भाषा: सी-सार्फ (Programming Language : C#) **43-60**

3.1 संरचना एवं विकास (Structure & Devlopment)

3.2 अंतरापृष्टि: विंडोज फॉर्म अप्लिकेशन

3.3 रनिंग फॉर्म (Running Form)

कोडिंग (Coding)

3.4.1 टैग लिखित पाठ कॉर्पस (TAG Writen Text Corpus) कोडिंग (Coding)

3.4.2 टैग वाक्य (TAG Sentence) कोडिंग (Coding)

अध्याय 4. डाटाबेस मैंनेजमेंट सिस्टम एक परिचय 62-87

4.1 डाटाबेस मैंनेजमेंट सिस्टम की परिभाषा

4.2 एंटिटी-रिलेशनशिप मॉडल

4.3 आधारभूत एट्रिब्युट तथा 'की'

4.4 एंटिटी रिलेशनशिप चित्र (E-R Diagram)

4.5 क्रिया रुपविज्ञान (Verb Morphology) का डाटाबेस में प्रयोग

4.6 क्रियाविशेषण (Adverb) का डाटाबेस में प्रयोग

4.7 धातु (Root)का डाटाबेस में प्रयोग

4.8 विशेषण का डाटाबेस में प्रयोग

उपसंहार 89-91

संदर्भ ग्रंथ-सूची 93-94

भूमिका

क्रियाविशेषण किसी भी प्रकार के हिंदी वाक्य में क्रिया की विशेषता बताने का कार्य करता है| "हिंदी क्रियाविशेषण घटनीयता विश्लेषक" का मुख्य उद्देश्य किसी वाक्य में क्रिया की विशेषता को बताने वाले क्रियाविशेषण, वाक्य में प्रयुक्त होने पर यह किस-किस घटक के साथ आ सकता है, इसकी पहचान करना ही लघु-शोध प्रबंध का यही मुख्य उद्देश्य है|

जैसा: (1)धीरे राम घर जाता है|

(2) राम धीरे घर जाता है|

(3) धीरे राम घर जाता है|

इस प्रकार अगर हम उपर्युक्त वाक्यों में देखें तो हम पाएंगे कि "धीरे" जो क्रिया "जाता" की विशेषता बता रहा है| वो तीनों वाक्यों में अलग-अलग जगह प्रयूक्त होने पर भी क्रिया की ही विशेषता बता रहा है|

लेकिन कई बार ऐसी विशेष परिस्थिति में देखा जाता है कि क्रियाविशेषण किसी भी वाक्य में प्रयुक्त होने पर विशेषण का भी कार्य करता है|

जैसे: (1) राम जैसे-तैसे रोटी पकाता है|

(2) सीता ऐसे-वैसे खाना पकाती है|

(3) सीता अच्छे कपडे धुलती है|

इन तीनों वाक्यों में अगर देखा जाए तो हम पाएंगे कि जहाँ एक तरफ इन तीनों वाक्यों में क्रियाविशेषण कार्य कर रहा है वहीँ क्रियाविशेषण विशेषण का भी कार्य कर रहा है|

प्रथम वाक्य में "ऐसे-वैसे" जहाँ सीता "संज्ञा" की विशेषता बता रहा है वहीँ "ऐसे-वैसे" कार्य करने की व्यवहार "पकाती" क्रिया की विशेषता बता रहा है| तृतीय वाक्य में "अच्छे" विशेषण का कार्य कर रहा है और दूसरी ओर क्रियाविशेषण का कार्य कर रहा है|

इस तरह के वाक्यों को देखते हुए क्रियाविशेषण का जब प्रयोग किसी वाक्य में होता है तो वह किस प्रकार सी विशेषण का भी कार्य करता है और किस प्रकार से क्रियाविशेषण का कार्य करता है| हिंदी क्रियाविशेषण घटनीयता विश्लेषक में इसका पता लगाया जा सकता है|

मशीनी अनुवाद कंप्युटेशनल भाषाविज्ञान का एक क्षेत्र है| जिसका मुख्य उद्देश मशीन(कंप्यूटर) द्वारा आसानी से अनुवाद किया जा सके| मशीनी अनुवाद आज के परिप्रेक्ष्य में अनुवाद के क्षेत्र में सबसे आसानी से अनुवाद किये जाने वाला सिस्टम को विकसित किया जा रहा है|

लघु-शोध में प्रयोग किये जाने वाले प्रमुख विषय-वस्तु: लघु-शोध कार्य में निम्नलिखित प्रकार के विषय वस्तु हैं| प्रथम अध्याय में क्रियाविशेषण की स्वरुप एवं परिभाषा को बताया गया है जिसमें विभिन्न भारतीय व्याकरणविदों के मत को दर्शाया गया है| एवं उनके परिभाषा को दर्शाने गया है|

द्वितीय अध्याय "हिन्दी वाक्य में क्रियाविशेषण का प्रयोग" को लिया गया है, जिसमें यह बताने की कोशिश की गई है कि जब क्रियाविशेषण वाक्य में प्रयुक होता है, तो वाक्य में किस-किस स्थान पर आ सकता है और सन्दर्भ के आधार पर कितने अर्थ दे सकता है| द्वितीय अध्याय में ही क्रियाविशेषण की घटनीयता एवं पहचान करने की कोशिश की गई है, जो भाषाविज्ञान की सैद्धांतिक पक्ष को ध्यान में रख कर विश्लेषण किया गया है|

तृतीय अध्याय में विसुअल स्टूडियो सी.सार्फ प्रोग्रामिंग लैंग्वेज का प्रयोग किया गया है| जिसमें भाषाविज्ञान की सैद्धांतिक पक्ष को ध्यान में रखते हुए एक प्रकार

से प्रोग्रामिंग की गई है| तृतीय अध्याय में प्रोग्रामिंग करते हुए बहुत ही सरल ढंग से प्रोग्रामिंग लैंग्वेज की एक अवधारण प्रस्तुत करने की कोशिश की गई है|

चतुर्थ अध्याय में डाटाबेस मैनेजमेंट सिस्टम(DBMS) का परिचय एवं परिभाषा बताया गया है| जिसमें एंटटी-रिलेशनशिप मॉडल को बताने की कोशिश की गई है| एवं साथ ही एंटटी-रिलेशनशिप मॉडल का डाटा के साथ कैसा जुड़ाव होता है और वह डाटाबेस मैनेजमेंट सिस्टम में अपनी भूमिका को किस प्रकार से निर्वाहन करता है चतुर्थ अध्याय में दर्शया गया है| आधारभूत एट्रिब्यूट तथा “की” को बताया गया है कि यह कैसे किसी “क्लास” के साथ जुड़कर एक संरचना तैयार करके उस “क्लास” की एट्रिब्यूट एवं “की” को परिभाषित करता है| चतुर्थ अध्याय क्रियाविशेषण, विशेषण, धातु, संज्ञा, क्रिया रूपविज्ञान का डाटाबेस तैयार किया गया है|